ई संदेश

25 दिसंबर, 2025 | अंक -185

सात दिन-सात पृष्ठ

'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' भव्य लोकार्पण के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का स्वागत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी।

प्रधानमंत्री ने सुशासन दिवस पर लखनऊ में 230 करोड़ रु0 की लागत से 65 एकड़ में निर्मित 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का लोकार्पण किया
इस अवसर पर रक्षा मंत्री, उ0प्र0 की राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति रही

भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष महोत्सव सांस्कृतिक चेतना साधना और राष्ट्र बोध का क्षण : मुख्यमंत्री

चिकित्सक का उत्साह मरीज की आधी बीमारी को दूर कर देता है: मुख्यमंत्री

विकास ही परिवर्तन का कारक बनता है और आम जनमानस की धारणा को बदलता है: मुख्यमंत्री

सड़क दुर्घटनाएं केवल प्रशासनिक या तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि यह एक बड़ी सामाजिक चुनौती : मुख्यमंत्री

सहकारिता आपसी विश्वास, सामाजिक समता और आत्मनिर्भरता की गारंटी: मुख्यमंत्री

अन्नदाता किसानों के हित के लिए सरकार प्रतिबद्ध है, किसानों के सामने सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है : मुख्यमंत्री

अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयन्ती की पूर्व संध्या

'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का भव्य लोकार्पण

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

प्रधानमंत्री ने सुशासन दिवस पर लखनऊ में 230 करोड़ रु0 की लागत से 65 एकड़ में निर्मित 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का लोकार्पण किया, इस अवसर पर रक्षा मंत्री उ0प्र0 की राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति रही

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 25 दिसंबर, 2025 को यहां पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर बसन्त कुन्ज योजना, सेक्टर-जे में 230 करोड़ रुपये की लागत से 65 एकड़ क्षेत्रफल में निर्मित 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।उन्होंने पं0 दीनदयाल उपाध्याय, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल में म्यूजियम का लोकार्पण तथा इसका अवलोकन किया और भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। प्रधानमंत्री जी ने सभी को राष्ट्र प्रेरणा स्थल तथा क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज लखनऊ की भूमि एक नई प्रेरणा की साक्षी बन रही है। आज उन्हें राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करने का सौभाग्य मिला है। यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल उस सोच का प्रतीक है, जिसने भारत को आत्मसम्मान, एकता और सेवा का मार्ग दिखाया है। डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं0 दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाएँ जितनी ऊँची हैं, इनसे मिलने वाली प्रेरणा उससे भी अधिक बुलन्द है। यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल हमें संदेश देता है कि हमारा हर कदम, हर प्रयास राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित हो। सबका प्रयास ही विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि प्रदान करेगा।

प्रधानमंत्री जी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और उनकी पूरी टीम तथा राष्ट्र प्रेरणा स्थल प्रोजेक्ट से जुड़े सभी श्रमिकों, कारीगरों व योजनाकारों को बधाई देते हुए कहा कि जिस जमीन पर यह प्रेरणा स्थल बना है, उसकी 30 एकड़ से ज्यादा जमीन पर कई दशकों से कूड़े-कचरे का पहाड़ जमा था। पिछले तीन वर्षों में इसे पूरी तरह समाप्त किया गया। डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं0 दीनदयाल उपाध्याय और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी, इन तीन महापुरुषों की प्रेरणा और उनके विजनरी कार्य तथा राष्ट्र प्रेरणा स्थल में स्थापित विशाल प्रतिमाएँ विकसित भारत का बड़ा आधार हैं। इनकी प्रतिमाएँ हमें नई ऊर्जा से भर रही हैं।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार का बहुत अधिक फायदा उत्तर प्रदेश को हो रहा है। उत्तर प्रदेश 21वीं सदी के भारत में अपनी एक अलग पहचान बना रहा है। यह उनका सौभाग्य है कि वह उत्तर प्रदेश से सांसद हैं।उत्तर प्रदेश के मेहनतकश लोग एक नया भविष्य लिख रहे हैं। कभी उत्तर प्रदेश की चर्चा खराब कानून-व्यवस्था के लिए होती थी, आज इसकी चर्चा विकास के लिए होती है। आज उत्तर प्रदेश, देश के पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर तथा काशी विश्वनाथ धाम, यह दुनिया में उत्तर प्रदेश की नई पहचान के प्रतीक बन रहे हैं। राष्ट्र प्रेरणा स्थल जैसे आधुनिक निर्माण उत्तर प्रदेश की नई छवि को और अधिक रोशन बनाते हैं। प्रधानमंत्री जी ने कामना की कि उत्तर प्रदेश सुशासन, समृद्धि और सच्चे सामाजिक न्याय के मॉडल के रूप में और बुलन्दी हासिल करे।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि 25 दिसम्बर का यह दिन देश की दो महान विभूतियों के जन्म का अद्भुत संयोग लेकर आता है। भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी तथा भारत रत्न महामना पं0 मदन मोहन मालवीय जी, इन दोनों महापुरुषों ने भारत की अस्मिता, एकता और गौरव की रक्षा की तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी अमिट छाप छोड़ी। 25 दिसम्बर को ही महाराजा बिजली पासी जी की भी जन्म जयन्ती है। लखनऊ में प्रसिद्ध बिजली पासी किला स्थित है। महाराजा बिजली पासी ने वीरता, सुशासन और समावेश की जो विरासत छोड़ी, उसे हमारे पासी समाज ने गौरव के साथ आगे बढ़ाया है। श्रद्धेय अटल जी ने ही वर्ष 2000 में महाराजा बिजली पासी के सम्मान में डाक टिकट जारी किया था।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में अन्तरराष्ट्रीय जगत में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। भारत विकास की बुलंदियों की ओर तेजी से अग्रसर है। प्रधानमंत्री जी एक ऐसे राजनेता हैं, जिन्हें दुनिया के 29 देशों का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ है। पिछले एक दशक में हमारा देश बहुत आगे बढ़ा है। प्रधानमंत्री जी के पंच प्रण के मंत्र से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने लखनऊ में एक शानदार राष्ट्र प्रेरणा स्थल का निर्माण कराया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रधानमंत्री जी के प्रदेश आगमन पर उनका स्वागत करते हुए कहा कि डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं0 दीनदयाल उपाध्याय तथा श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की विरासत को आगे बढ़ाने तथा उनकी स्मृतियां को नमन करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का निर्माण किया गया है। इस राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों से हुआ है। यहाँ इन महापुरुषों की भव्य प्रतिमाओं के साथ-साथ म्यूजियम का निर्माण किया गया है। आज इस म्यूजियम का भी लोकार्पण हुआ है। यह भारत माता के महान सपूतों को नमन करने का अवसर है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इन सभी महापुरुषों ने भारत को नयी दृष्टि व प्रेरणा प्रदान की। डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत में 'एक देश, एक विधान, एक निशान तथा एक प्रधान' का उद्घोष किया था। डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार होते देख आज प्रत्येक देशवासी प्रफुल्लित दिखाई दे रहा है। भारत माता के महान सपूत व विचारक पं0 दीनदयाल उपाध्याय के सपनों के भारत में अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में नया परिवर्तन होता हुआ दिखाई दे रहा है। विगत 11 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से उबारकर सामान्य जीवनयापन योग्य बनाया गया है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, शिक्षाविद् तथा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पं0 मदन मोहन मालवीय जी की पावन जयंती है। प्रधानमंत्री जी ने देश के प्रति उनके द्वारा की गयी सेवाओं को सम्मान देते हुए उन्हें भारतरत्न से विभूषित किया। आज लखनऊ के महान योद्धा महाराजा बिजली पासी की भी पावन जयन्ती है। प्रत्येक भारतवासी के मन में उनके प्रति अटूट श्रद्धाभाव है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी, अन्त्योदय के स्वप्न को साकार करने तथा सुशासन को मूर्तरूप प्रदान करने वाले इन तीनों महापुरुषों की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री जी देश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लक्ष्य के साथ आधुनिक भारत के शिल्पकार तथा एक भारत व श्रेष्ठ भारत के स्वप्नदृष्टा हैं। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से आज हम आत्मनिर्भर भारत का वर्तमान स्वरूप देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह वर्ष श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मशताब्दी महोत्सव का वर्ष है। अटल जी कहते थे कि 'अन्धेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा' यह केवल आशा मात्र नहीं, बल्कि भारत राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य को लेकर उनके अडिग विश्वास, दूरदृष्टि तथा दृढ़संकल्प का उद्घोष था। अटल जी ने एक कवि, पत्रकार, राष्ट्रवादी विचारक तथा भारत के सच्चे सपूत के रूप में भारत को जो विजन व नेतृत्व दिया, उसे हम वर्तमान भारत में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में साकार होते हुए देख रहे हैं। प्रत्येक क्षेत्र में विरासत और विकास का अद्भुत समन्वय दिखाई दे रहा है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक, केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी, प्रदेश के वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष महोत्सव सांस्कृतिक चेतना, साधना और राष्ट्र बोध का क्षण : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 18 दिसंबर, 2025 को भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय की 100 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित कॉफी टेबल बुक 'ए लिगेसी ऑफ एक्सीलेन्स' तथा डाक विभाग के माध्यम से तैयार विशेष आवरण एवं विरोपण का विमोचन किया। उन्होंने उत्कृष्ट योगदान देने वाले पूर्व छात्र-छात्राओं डॉ0 पूर्णिमा पाण्डेय, विदुषी दिलराज कौर, श्रीमती मालिनी अवस्थी तथा श्री केवल कुमार को सम्मानित किया।

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय ने अपनी 100 वर्षों की यात्रा में भारतीय संगीत, नृत्य, नाट्य और ललित कलाओं को न केवल संरक्षित किया है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आधुनिक शैक्षणिक व्यवस्था से प्रतिष्ठित कर संस्कृति कर्मी के रूप में अहम भूमिका का निर्वहन करने का प्रयास किया है। इसने पीढ़ी दर पीढ़ी भारत की सांस्कृतिक चेतना तथा उसके स्वर, लय एवं संस्कार को नई पहचान प्रदान की है। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष महोत्सव का शुभारम्भ केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, साधना और राष्ट्र बोध का क्षण है। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय अपनी एक नई पहचान बना कर नई ऊँचाई प्राप्त कर रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय ने अपनी 100 वर्षों की यात्रा में भारतीय संगीत, नृत्य, नाट्य और ललित कलाओं को न केवल संरक्षित किया है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आधुनिक शैक्षणिक व्यवस्था से प्रतिष्ठित कर संस्कृति कर्मी के रूप में अहम भूमिका का निर्वहन करने का प्रयास किया है। इसने पीढ़ी दर पीढ़ी भारत की सांस्कृतिक चेतना तथा उसके स्वर, लय एवं संस्कार को नई पहचान प्रदान की है। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष महोत्सव का शुभारम्भ केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, साधना और राष्ट्र बोध का क्षण है। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय अपनी एक नई पहचान बना कर नई ऊँचाई प्राप्त कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार कलाकारों को सुरक्षित, सम्मानित, सशक्त वातावरण तथा उचित प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए कृतसंकल्पित है। कलाकारों के कल्याण, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण, मंच और आजीविका से जुड़े विषय हमारी नीतियों के केन्द्र में हैं। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय इस दिशा में राज्य सरकार के साथ बेहतरीन साझेदार के रूप में कार्य कर रहा है। हमारी परम्परा को आधुनिकता से जोड़कर नई पीढ़ी के माध्यम से आगे बढ़ा रहा है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके विद्यार्थी भारत की शास्त्रीय, वैदिक तथा सनातन परम्परा को वैश्विक पहचान देने का कार्य करेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने संस्कृति की पहचान तथा कला के धाम को संरक्षित करने के दृष्टिगत जनपद आजमगढ़ के हरिहरपुर गांव में एक संगीत महाविद्यालय की स्थापना की है। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय से एफिलिएटेड कॉलेजों के माध्यम से अधिक से अधिक छात्रों को मंच मिलेगा। प्रदेश के महाविद्यालयों में कल्चरल क्लब योजना से सांस्कृतिक चेतना का विस्तार करना है। डिजिटल दस्तावेजीकरण, अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग और वैश्विक मंचों पर भारतीय कला की सशक्त उपस्थिति-इन सभी क्षेत्रों में भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भातखण्डे संगीत संस्थान वर्ष 1926 में एक छोटा सा केन्द्र था। उस समय की आवश्यकतानुसार उपलब्ध सुविधाएँ पर्याप्त थी, किन्तु आज के लिए यह कम है। प्रदेश सरकार ने लखनऊ के काकराबाद में लगभग 06 एकड़ भूमि विश्वविद्यालय को प्रदान की है, जहाँ विश्वविद्यालय के नवीन भवन की स्थापना होगी। विश्वविद्यालय के साथ पर्यटन और संस्कृति विभाग यह सुनिश्चित करे कि जो भी निर्माण कार्य हो, वह वैश्विक अर्थात् ग्लोबल स्टैण्डर्ड का होना चाहिए। वैश्विक मानकों के अनुरूप आधुनिक तथा समग्र सुविधाएँ एक परिसर में ही उपलब्ध हो। शिक्षा, शोध, साधना तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति के दृष्टिगत बेहतर कार्य होना चाहिए। परिसर में कम से कम दो ऑडिटोरियम होने चाहिए। एक छोटा ऑडिटोरियम 200 से 250 की प्रस्तुति के लिए और एक बड़ा ऑडिटोरियम 1,000 से 1,500 बच्चों के कार्यक्रम तथा प्रस्तुति के लिए होना चाहिए। परिसर में ओपन थिएटर होना चाहिए, जहाँ बच्चे अपनी प्रस्तुति दे सकें। अच्छी सुविधाओं से युक्त लाइब्रेरी होनी चाहिए, जहाँ वर्तमान तक की धरोहर को व्यवस्थित रूप से संरक्षित किया जा सके। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के इस पुराने परिसर को हटाना नहीं है, बल्कि इस परिसर को संगीत व उससे जुड़ी विभिन्न विधाओं के बेहतरीन म्यूजियम के रूप में आगे बढ़ाया जाए। स्थापना काल से लेकर अब तक के संस्थापकों, डायरेक्टर, शिक्षक, मेधावी छात्र के आंकड़ों को एकत्र करके उसे प्रदर्शित किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत एक वर्ष में विश्वविद्यालय के साथ-साथ संस्कृति और पर्यटन विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के पुरातन छात्रों की अलग-अलग दिनां में 100 प्रस्तुतियों के लिए तैयारी की जानी चाहिए। अच्छे कलाकारों ने जो प्रस्तुतियाँ देश में प्रस्तुत की हैं, उन्हें अलग-अलग दिनों में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। इससे यहाँ के छात्रों को विभिन्न विधाओं को सीखने का अवसर प्राप्त होगा। इन कार्यक्रमों का डॉक्यूमेण्टेशन कर सुरक्षित रखें तथा आगे बढ़ाएँ। विश्वविद्यालय आज की आवश्यकता के अनुरूप प्रधानमंत्री जी के विजन विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में कदम उठाए, जिससे कला, संगीत, नाट्य और अन्य सभी परम्पराओं में वैश्विक पहचान मिल सके।

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से 24 दिसंबर, 2025 को राजभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें श्री प्रभात झा द्वारा रचित पुस्तक 'हमारे अटलजी' भेंट की।

चिकित्सक का उत्साह मरीज की आधी बीमारी को दूर कर देता है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 18 दिसंबर, 2025 को यहां एस0जी0पी0जी0आई0 लखनऊ में इण्डियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के 54वें वार्षिक अधिवेशन 'ISNCON-2025' में सम्मिलित हुए। 18 से 21 दिसंबर, 2025 तक आयोजित इस कॉन्फ्रेंस का विषय 'एडवांसिंग किडनी केयर विथ इनोवेशन, प्रिसिजन विद रीजनल एंड ग्लोबल इंपैक्ट' है।इस अवसर पर उन्होंने इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी की ओर से प्रो0 अमित गुप्ता को साउथ एशिया रीजन से दिया गया 'आई0एस0एन0 पायनियर' पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने चिकित्सकों को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड तथा एफ0आई0एस0एन0 अवार्ड प्रदान किए।

मुख्यमंत्री जी ने अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में क्रॉनिक किडनी डिजीज़ चुनौती के रूप में हमारे सामने है। हमें बीमारी होने से पहले ही सावधानी की दिशा में लोगों को जागरूक करना होगा। तभी आने वाले खतरों के समाधान की दिशा में हम आगे बढ़ सकते हैं और क्रॉनिक किडनी डिजीज़ को महामारी बनने से रोक सकते हैं। यह मानवता के लिए एक बड़ा योगदान होगा। इससे बहुत सी जानें बचायी जा सकती हैं तथा हम लोगों को क्वालिटी ऑफ लाइफ देने में सफल हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चिकित्सक का उत्साह मरीज की आधी बीमारी को दूर कर देता है। पी0जी0आई0 के चिकित्सक आत्मविश्वास के साथ मरीजों का उपचार करते हैं। कोविड महामारी के दौरान हमने इनकी तत्परता को देखा है। प्रदेश सरकार इनके सुझावों को लागू किया, जिससे प्रदेश की बड़ी आबादी को हम बेहतर कोविड प्रबन्धन दे पाए। कॉन्फ्रेंस में क्रॉनिक किडनी डिजीज़ के सम्बन्ध में चेतावनी पर विचार होना चाहिए तथा इस पर रिसर्च पेपर भी प्रकाशित होना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं पर हर व्यक्ति का अधिकार होना चाहिए। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के तहत 5.5 करोड़ गोल्डन कार्ड गरीबों को प्रदान किए गए हैं। सी0एम0 रिलीफ फण्ड के माध्यम से मात्र 01 वर्ष में प्रदेश के जरूरतमन्दों को 1,300 करोड़ रुपये उपचार के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। प्रदेश सरकार प्रत्येक जनपद में डायलिसिस की सुविधा दे रही है। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत हमने मरीजों को ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सुविधा दी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश में टॉप 03 रेवेन्यू सरप्लस स्टेट में उत्तर प्रदेश भी है। इसके लिए हमने टीमवर्क से मेहनत की। प्रदेश में सुरक्षा का माहौल दिया गया। उत्तर प्रदेश आज माफिया और दंगों से मुक्त हुआ है। आज प्रदेश 'वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज' की दिशा में अग्रसर है।

विकास ही परिवर्तन का कारक बनता है और आम जनमानस की धारणा को बदलता है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 19 दिसम्बर, 2025 को जनपद गोरखपुर में गोरखपुर-लखनऊ रेलमार्ग पर डोमिनगढ़ एवं गोरखपुर रेलवे जंक्शन के मध्य रेलवे क्रासिंग 162-ए पर पूर्व निर्मित आर0ओ0बी0 के समानान्तर 138 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक नए रेल उपरिगामी सेतु का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज गोरखपुर में आवागमन के लिए गोरखनाथ ब्रिज के समानांतर एक और रेल उपरिगामी उपलब्ध हो गया है। इससे गोरखपुर महानगरवासियों को जनपद महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर और नेपाल जाने के लिए एक नया मार्ग उपलब्ध हो गया है। 600 मीटर से अधिक लम्बा यह उपरिगामी सेतु अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित है, जिसका निर्माण सेतु निगम ने एक वर्ष में किया है। इस सेतु पर पर्याप्त प्रकाश की उपलब्धता के साथ साउंड बैरियर भी लगाए गए हैं। इसके दोनों तरफ नागरिकों के लिए फुटपाथ का निर्माण किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकास तब होता है, जब हमारी सोच सकारात्मक होती है। जब विरासत और विकास की सोच वाली डबल इंजन सरकार आती है, तो विकास भी तीव्र गति से आगे बढ़ता है। विकास ही परिवर्तन का कारक बनता है और आम जनमानस की धारणा को बदलता है।

उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रहा है। उनके नेतृत्व में देश में रेल, सड़क, वायु कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के साथ ही जनता की सभी सुविधाओं के लिए नए-नए विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आगे बढ़ाये जा रहे हैं। गरीबों को आवास, राशन, उपचार, रसोई गैस, बिजली आदि हर सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। नये भारत में हर भारतीय 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के भाव से प्रेरित होकर कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत को एक नई पहचान प्राप्त हुई है। आज भारत मजबूती के साथ दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। आज कोई भी शक्ति भारत को दबा नहीं सकती है। अब भारत की आवाज को दुनिया सुनती है और उसका अनुसरण भी करती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के सामने पहचान का संकट नहीं है। उत्तर प्रदेश, एक नई आभा के साथ विकास के क्षेत्र में देश में अपनी एक नई पहचान बना रहा है। उत्तर प्रदेश विकास और विरासत का एक नया केंद्र बना है। आज गोरखपुर जल जमाव, माफिया, मच्छर एवं बीमारी से मुक्त है। 08 वर्ष पूर्व गोरखपुर में बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। उत्तर प्रदेश के नागरिकों को प्रदेश के बाहर हेय दृष्टि से देखा जाता था, लोगों के सामने पहचान का संकट था। आज डबल इंजन सरकार ने अभूतपूर्व परिवर्तन करके दिखाया है। यह कार्य तभी होता है जब जनता का सहयोग प्राप्त होता है।

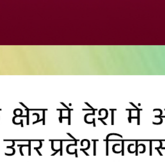

आज भारत मजबूती के साथ दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। आज कोई भी शक्ति भारत को दबा नहीं सकती है। अब भारत की आवाज को दुनिया सुनती है और उसका अनुसरण भी करती है - मुख्यमंत्री

सड़क दुर्घटनाएं केवल प्रशासनिक या तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि यह एक बड़ी सामाजिक चुनौती : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री जी ने 20 दिसम्बर, 2025 को यहां लखनऊ में एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश व्यापी सड़क सुरक्षा अभियान की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा माह को 4-ई मॉडल के आधार पर संचालित किया जाए, जिसमें एजुकेशन, एन्फोर्समेण्ट, इंजीनियरिंग एण्ड इमरजेंसी केयर चारों स्तम्भों पर समान रूप से और समन्वित ढंग से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को केवल नियमों की जानकारी देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह समझाना आवश्यक है कि यातायात नियमों का पालन उनके स्वयं के जीवन, उनके परिवार और समाज की सुरक्षा से सीधे जुड़ा है।

मुख्यमंत्री जी ने 01 जनवरी से 31 जनवरी, 2026 तक प्रदेशव्यापी 'सड़क सुरक्षा माह' आयोजित करने के निर्देश देते हुए कहा है कि नए वर्ष की शुरुआत केवल औपचारिक आयोजनों से नहीं, बल्कि जनजीवन से सीधे जुड़े सड़क सुरक्षा जैसे अत्यंत संवेदनशील विषय पर ठोस संकल्प, व्यापक जनभागीदारी और व्यवहार परिवर्तन के लक्ष्य के साथ होनी चाहिए। सड़क सुरक्षा अभियान किसी भी स्थिति में औपचारिकता बनकर न रह जाए, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के जीवन से जुड़ा जनान्दोलन बने। शिक्षा के माध्यम से बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों में सही सड़क व्यवहार विकसित किया जाए। प्रवर्तन के तहत नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित हो। इंजीनियरिंग के माध्यम से सड़कों के ब्लैक स्पॉट और क्रिटिकल पॉइंट सुधारे जाएं। इमरजेंसी केयर के अंतर्गत त्वरित एम्बुलेंस सेवा और बेहतर ट्रॉमा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इन चारों स्तम्भों पर संतुलित और एक साथ कार्य किए बिना सड़क दुर्घटनाओं में वास्तविक कमी सम्भव नहीं है।

मुख्यमंत्री जी ने बैठक में विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों को अत्यंत गम्भीर बताते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाएं केवल प्रशासनिक या तकनीकी समस्या नहीं हैं, बल्कि यह एक बड़ी सामाजिक चुनौती है। इसलिए सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए संवेदनशीलता के साथ-साथ कठोर निर्णय लेना भी आवश्यक है।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत प्रदेश की प्रत्येक तहसील, ब्लॉक, जिला और सभी प्रमुख मुख्यालयों पर जागरूकता सम्बन्धी प्रचार सामग्री अनिवार्य रूप से लगाई जाए। आमजन को यह समझाया जाए कि एक छोटी सी लापरवाही किस प्रकार पूरे जीवन की दिशा बदल देती है। पब्लिक एड्रेस सिस्टम का व्यापक और प्रभावी उपयोग किया जाए, ताकि यह संदेश हर व्यक्ति तक पहुंचे कि सड़क सुरक्षा किसी और की नहीं, बल्कि उनके अपने जीवन और परिवार से जुड़ा विषय है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि केवल चालान करना सड़क दुर्घटनाओं का स्थायी समाधान नहीं है। उन्होंने निर्देश दिए कि जो लोग आदतन यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं, उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए। ऐसे मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस जब्त करने और वाहन सीज करने की स्पष्ट नियमावली तैयार कर उसका सख्ती से पालन कराया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारकों पर विस्तार से चर्चा करते हुए ब्लैक स्पॉट और क्रिटिकल प्वाइण्ट की पहचान कर उनके त्वरित और स्थायी सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क इंजीनियरिंग की कमियां, खराब साइनेज, अव्यवस्थित कट, अंधे मोड़ और अनुचित स्पीड ब्रेकर दुर्घटनाओं को बढ़ाते हैं। लोक निर्माण विभाग तथा अन्य रोड निर्माण सम्बन्धी एजेंसियां समयबद्ध ढंग से सुधार कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल टेबल टॉप स्पीड ब्रेकर ही बनाए जाएं और सभी सड़कों का नियमित रोड सेफ्टी ऑडिट कराया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने एम्बुलेंस सेवाओं और स्कूल वाहनों की फिटनेस की विशेष जांच कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही 300 किलोमीटर से अधिक दूरी की यात्रा करने वाले बड़े यात्री वाहनों में एकल चालक की व्यवस्था समाप्त कर अनिवार्य रूप से दो चालकों की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा एक्सप्रेस-वे पर पेट्रोलिंग, एम्बुलेंस और क्रेन की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को और सुदृढ़ करने पर विशेष बल देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में जितनी जल्दी घायल को चिकित्सकीय सहायता मिलती है, क्षति की सम्भावना उतनी ही कम होती है। उन्होंने निर्देश दिए कि 108 और ए0एल0एस0 एम्बुलेंस सेवाओं का रिस्पॉन्स टाइम और कम किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने सड़क अनुशासन पर जोर देते हुए कहा कि सड़क आवागमन के लिए होती है, वाहन खड़ा करने के लिए नहीं। उन्होंने हाइवे और एक्सप्रेस-वे के किनारे लम्बे समय तक खड़े वाहनों, डग्गामार वाहनों और सड़क किनारे अवैध रूप से कतारबद्ध खड़े वाहनों को गम्भीर दुर्घटना का कारण बताते हुए इनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों के किनारे किसी भी स्थिति में टेम्पो, बस या रिक्शा स्टैंड न बनें। पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और अव्यवस्थित पार्किंग पर सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री जी ने स्टंटबाजी करने वाले युवकों के विरुद्ध भी पूरी सख्ती बरतने के निर्देश दिए।

सहकारिता आपसी विश्वास, सामाजिक समता और आत्मनिर्भरता की गारंटी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री जी 21 दिसंबर, 2025 को यहां लखनऊ में 'युवा सहकार सम्मेलन-2025' एवं 'यू0पी0 कोआपरेटिव एक्सपो' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न महानुभावों को सम्मानित किया तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक व प्रमाण पत्र आदि प्रदान किए।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सहकारिता आपसी विश्वास, सामाजिक समता और आत्मनिर्भरता की गारंटी है। सहकारिता के माध्यम से विकसित भारत की संकल्पना को साकार करना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का विजन है। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से प्रदेश सरकार ने सहकारिता के सुदृढ़ीकरण की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। युवा सहकारिता आन्दोलन के भविष्य के शिल्पी हैं। युवाओं को इस दिशा में स्वयं को तैयार करना होगा। यह सहकार सम्मेलन प्रदेश की समृद्धि और सामूहिक विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि समाज की सहभागिता के माध्यम से समृद्धि का नया सोपान स्थापित करने के लिए केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया था। श्री अमित शाह जी इस मंत्रालय के पहले मंत्री के रूप में भारत के सहकारिता आंदोलन को नई ऊंचाई प्रदान कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है। राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 का लक्ष्य प्रधानमंत्री जी के सहकार से समृद्धि विजन के माध्यम से वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। दुनिया की एक चौथाई सहकारी समितियां भारत में हैं, जिनकी संख्या लगभग 08 लाख 44 हजार है। इन समितियों में 30 करोड़ से अधिक सदस्य सामूहिक शक्ति के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 11 वर्षों में हमने बदलते हुए भारत को देखा है। तकनीक का उपयोग करते हुए हम अपने जीवन को कैसे सरल कर सकते हैं तथा भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था दे सकते हैं, सहकारिता क्षेत्र में भी इसका उदाहरण प्रस्तुत करते हुए डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस और पारदर्शी नीतियों के माध्यम से सुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने की कार्रवाई आगे बढ़ी है। एम0 पैक्स के माध्यम से सदस्यता विस्तार तथा सहकारी बैंकों के आधुनिकीकरण ने सहकारिता आन्दोलन को और अधिक मजबूती प्रदान की है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब प्रदेश के कोऑपरेटिव बैंक डिफॉल्टर व बीमार नहीं है, बल्कि स्वस्थ रहकर अपने सदस्यों व किसान की समृद्धि में योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित सौर ऊर्जा योजना के अन्तर्गत अब तक 502 एम0 पैक्स में सोलर रूफटॉप विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण किया गया है। सहकारी समितियों के पुराने एवं जर्जर गोदामों की मरम्मत के लिए प्रत्येक एम0 पैक्स को 10 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की गयी। अब तक 70 करोड़ रुपये से 980 एम0 पैक्स का सुदृढ़ीकरण किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लि0 बैंक को नाबार्ड से 'ए' श्रेणी की रेटिंग प्राप्त हुई है, जो उसकी सुदृढ़ वित्तीय स्थिति एवं कुशल प्रबन्धन को दर्शाती है। प्रदेश में बैंक की 40 शाखाएं संचालित हैं। प्रदेश के 50 में से 49 जिला सहकारी बैंक लाभ पर कार्यरत हैं। जिला सहकारी बैंकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 162.02 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन कोऑपरेटिव बैंक' की परिकल्पना साकार करने की दिशा में कार्यवाही प्रारम्भ की है। जनपद बलरामपुर में नये जिला कोऑपरेटिव बैंक के गठन की कार्यवाही आगे बढ़ चुकी है। यह आज की आवश्यकता है और इस दिशा में प्रदेश सरकार ने तेजी के साथ कदम बढ़ाए हैं। यह हमारे लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वित्तीय समावेशन द्वारा केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने तथा स्थानीय स्तर पर युवाओं के लिए रोजगार की नई सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। पहले जिन 16 कोऑपरेटिव बैंक के लाइसेन्स जब्त हो गये थे, इन बैंकों से किसानों की 4,700 करोड़ रुपये जमा धनराशि उन्हें पुनः वापस करायी गयी। यह सभी बैंक फिर से अपना काम सुचारु रूप से कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंकों का वर्तमान में रेट ऑफ इंटरेस्ट लगभग 11.5 प्रतिशत है। किसानों को इन बैंकों से ऋण प्राप्त करने पर बहुत अधिक ब्याज देना होता है। अब हम लोग इसको कम करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में लघु और सीमांत किसानों को उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंकों के माध्यम से मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के अन्तर्गत 06 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें राज्य सरकार अपना योगदान देगी।

अन्नदाता किसानों के हित के लिए सरकार प्रतिबद्ध है, किसानों के सामने सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 23 दिसम्बर, 2025 यहां पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती के अवसर पर आयोजित 'किसान सम्मान दिवस' समारोह में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और कहा कि भारत माता के महान सपूत, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी का सम्पूर्ण जीवन अन्नदाता किसानों के लिए समर्पित था। किसानों के मसीहा के रूप में उनकी ख्याति पूरे भारत में थी। मुख्यमंत्री जी ने प्रगतिशील किसानों, एफ0पी0ओ0 व उन्नत कृषि में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कृषि वैज्ञानिकों को सम्मानित किया तथा 'मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना' के अन्तर्गत 25 किसानों को ट्रैक्टर वितरित कर उन्हें झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने भारत रत्न चौधरी चरण सिंह सीड पार्क के प्लॉट आवण्टन की प्रक्रिया का शुभारम्भ भी किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता किसानों के हित के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों के सामने सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है। डबल इंजन सरकार किसानों के हितों के संवर्धन के लिए सदैव तत्पर होकर कार्य करेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश और किसानों के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं के लिए चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित कर देश के किसानों के गौरव को बढ़ाने का काम किया। राज्य सरकार उनकी सोच को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। आज चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयन्ती के अवसर पर जब अन्नदाता किसानों को मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के अन्तर्गत ट्रैक्टर वितरण किया गया, तब उनके चेहरे की चमक देखने लायक थी। जब किसान सर्दी और गर्मी की परवाह के बगैर पसीना बहाता है, तो हमारी खेती अन्न के रूप में सोना उगलने का काम करती है। प्रदेश के अन्नदाता किसानों ने अपनी मेहनत से प्रगति की है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने प्रदेश में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। वर्ष 2017 में सरकार के आने के बाद लघु और सीमान्त किसानों के लिए कृषि ऋण मोचन का कार्यक्रम चलाया। आज किसानों को शासन की प्रत्येक योजना का लाभ प्राथमिकता पर उपलब्ध कराया जा रहा है। परिणामस्वरूप, प्रदेश में धान, गेहूं, चना, सरसों, बाजरा, मक्का का उत्पादन कई गुना बढ़ा है तथा लागत कम हुई है। यही किसान की समृद्धि और मुनाफे का आधार है। अब अन्नदाता किसान की फसल का दाम कोई बिचौलिया तय नहीं करता, बल्कि किसान स्वयं तय करता है। यदि मार्केट में किसान को फसल का अच्छा दाम मिलेगा तो वह मार्केट में बेचेगा, अन्यथा सरकार उसकी फसल को खरीदने का कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में प्रदेश में कृषि उत्पादन की विकास दर मात्र 07 प्रतिशत थी। विगत 08 वर्षों में ईमानदारी से किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप आज प्रदेश में हमारा अन्नदाता किसान अपनी मेहनत से 18 फीसदी कृषि विकास दर प्राप्त कर रहा है। तकनीक का उपयोग खेती को सरल बनाने के साथ-साथ उत्पादन को भी बढ़ाता है। अभी हाल ही सरकार ने गन्ने का मूल्य बढ़ाकर 400 रुपये प्रति कुन्तल कर दिया है। आज प्रदेश का किसान समृद्धि की ओर अग्रसर हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज प्रदेश के किसान नई तकनीक अपनाकर अच्छी क्वालिटी के बीज से कम लागत में अच्छा उत्पादन प्राप्त करते हुए प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। हमारे वैज्ञानिकों को भी इस दिशा में कार्य करना होगा। विगत 08 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने केन्द्र के सहयोग से प्रदेश में 20 नए कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित किए हैं। अब प्रदेश में 89 कृषि विज्ञान केंद्र कार्य कर रहे हैं। 09 क्लाइमेटिक जोन में इतने कृषि विज्ञान केंद्र किसी राज्य में नहीं हैं। प्रदेश में सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जा रहे हैं। कृषि विभाग इस दिशा में लगातार कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी की स्मृति को जीवन्त रखने के लिए लखनऊ में एक सीड पार्क की स्थापना की जा रही है, ताकि किसानों को आधुनिक तकनीक पर आधारित उत्तम क्वालिटी का बीज प्राप्त हो सके। यदि अन्नदाता किसानों को उत्तम बीज समय पर मिले और खेती करें तो फसल उत्पादन 30 प्रतिशत तक बढाया जा़ सकता है। जनपद बाराबंकी में टिश्यू कल्चर की एक अत्याधुनिक लैब के लिए 31 एकड़ से अधिक भूमि चिन्हित की गयी है। यह लैब किसानों के हित में गन्ना, केला, आलू व अन्य फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में बड़ी भूमिका का निर्वहन करेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्राकृतिक खेती के संवर्धन में प्रधानमंत्री जी की विशेष रुचि है। अगर कैंसर, किडनी व लिवर खराब होने जैसी अन्य गम्भीर बीमारियों से बचना है, तो प्राकृतिक खेती ही एकमात्र साधन है। हमें इस दिशा में प्रयास करने होंगे। अन्नदाता किसान अपने खेत में नवाचार को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं। केन्द्र और राज्य सरकार सहयोग करने के लिए तैयार है। पहले निजी नलकूप से जुड़े किसानों को बिजली के महंगे बिल देने पड़ते थे। राज्य सरकार ने 16 लाख निजी नलकूप से जुड़े अन्नदाता किसानों के बिजली बिल को पूरी तरह माफ कर दिया है। राज्य सरकार प्रत्येक वर्ष लगभग तीन हजार करोड़ रुपये के किसानों के निजी नलकूपों के बिजली बिल का भुगतान उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन को करती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अन्नदाता किसान की खुशहाली के लिए सहकारिता के माध्यम से संचालित भूमि विकास बैंक द्वारा दिये गये ऋण पर ब्याज दर 11 प्रतिशत से घटाकर 06 प्रतिशत कर दिया गया है। शेष धनराशि का भुगतान सरकार करेगी। किसानों को इसका लाभ लेना चाहिए।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 24 दिसंबर, 2025 को यहां लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयन्ती की पूर्व संध्या पर आयोजित 'एकल काव्य पाठ' कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर कवि डॉ0 कुमार विश्वास द्वारा एकल काव्य पाठ किया गया, जिसे केन्द्रीय रक्षा मंत्री तथा मुख्यमंत्री जी सहित सभी लोगों ने सुना। केन्द्रीय रक्षा मंत्री तथा मुख्यमंत्री जी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने श्रद्धेय अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने स्मारिका 'अटल' महानायक!' तथा अटल जी पर केन्द्रित ई-बुक का विमोचन तथा सैण्ड आकृति बनाने वाले श्री रूपेश सिंह को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 25 दिसंबर, 2025 को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पावन जयंती के अवसर पर लोक भवन स्थित अटल जी की प्रतिमा के सम्मुख रखे उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का विराट व्यक्तित्व और कृतित्व देशवासियों को प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने प्रदेश की राजधानी लखनऊ से प्रतिनिधित्व करते हुए प्रधानमंत्री के रूप में देश को विकास के नए विजन के साथ आगे बढ़ाने का कार्य किया था। डबल इंजन सरकार ने अटल जी की जन्म शताब्दी के अवसर पर उनकी स्मृतियों को जीवन्त बनाए रखने तथा विचार प्रवाह को निरन्तरता प्रदान करने के लिए लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का निर्माण कराया है।

‘राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का भव्य लोकार्पण

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित